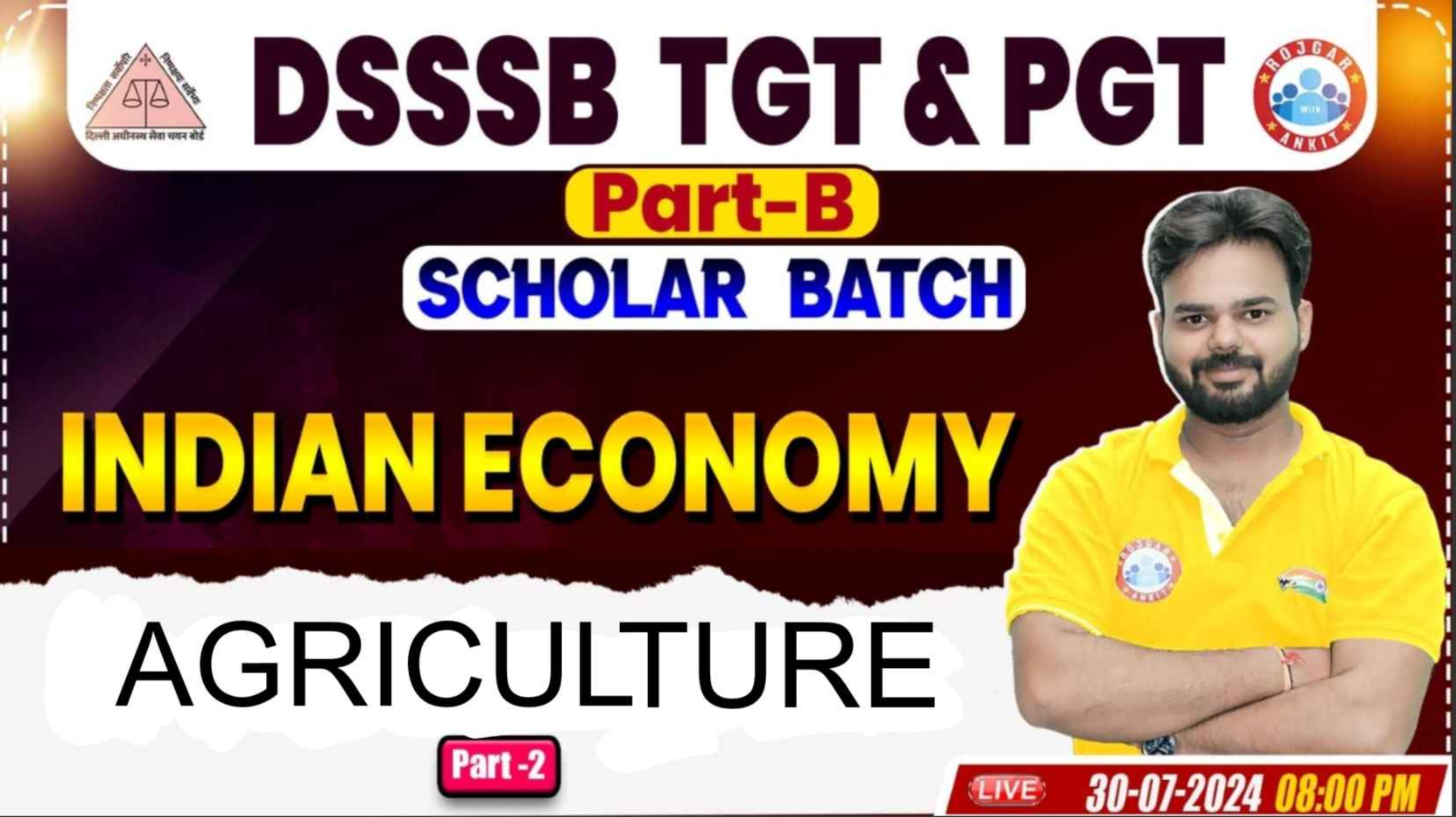

दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड
DSSSB TGT & PGT
ROJGAR With ANKIT
Part-B
SCHOLAR BATCH
INDIAN ECONOMY
AGRICULTURE
Part -2
LIVE
30-07-2024 08:00 PM

कृषि

- AGRICULTURE, लैटिन भाषा के शब्द AGRI + CULTURE से बना है, जिसका अर्थ भूमि पर खेती करना है
- कृषि प्राथमिक गतिविधि है।
- कृषि मे फसलें, सबजिया, फूल तथा पशुपालन आते है।
- भारत की दो तिहाई आबादी कृषि पर निर्भर है।

"कृषि एवं सम्बंधित क्षेत्रों पर निर्भर"
प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष = 60%

कृषि एवं सम्बंध क्षेत्र
- पशुपालन
- बागवानी
- वानिकी
- मत्स्यपालन
- कुक्कुटपालन

परिवार का पेट भर सके

मानसून पर और जमीन की प्राकृतिक उर्वरता पर निर्भर करती है।

प्रारंभिक जीविका निर्वाह कृषि

- आदिम औजार और परिवार या समुदाय के श्रम का इस्तेमाल

  (परम्परागत कृषि उपकरणों - कृषि)

- जमीन के छोटे टुकड़ों पर की जाती है

- जलवायु के हिसाब से ही किसी फसल का चुनाव किया जाता है।

भारत में कृषि के प्रकार

- प्रारंभिक जीविका निर्वाह कृषि
  - ▽ कर्तन दहन प्रणाली
- गहन जीविका कृषि
- वाणिज्यिक कृषि

कर्तन दहन प्रणाली ("स्थानान्तरीय कृषि")

- सबसे पहले जमीन के किसी टुकड़े की वनस्पति को काटा जाता और फिर उसे जला दिया जाता है।
- मृदा की उर्वरता कम हो जाती हैं
- तो किसान उस भूमि को छोड़ देते हैं फिर खेती के लिए दूसरी 'भूमि पर जाते हैं
- वनस्पति के जलाने से राख बनती है उसे मिट्टी में मिला दिया जाता है।
- उसके बाद फसल उगाई जाती है।

गहन जीविका कृषि

- सघन आबादी वाले क्षेत्रों में होती है
- जैव रासायनिक निवेशों और सिंचाई

उर्वरकों (जैवउर्वरकों)
(आधुनिक कृषि उपकरण)

आधुनिक साधन एवं तरीकों का प्रयोग किया जाता है

गहन जीविका कृषि की समस्याएँ

- इससे जमीन का आकार छोटा होता चला जाता है।
- पलायन
- छोटे आकार के भूखंड से होने वाली पैदावार लाभप्रद नहीं रह जाती है।
- पीढ़ी दर पीढ़ी जमीन का बंटवारा होने लगता है

वाणिज्यिक कृषि

- मुख्य उद्देश्य पैदावार की बिक्री ✓ (मार्केट में उत्पादन को बेचने हेतु की जाती है)
- रासायनिक उर्वरक, कीटनाशक और खरपतवारनाशक ✓
- आधुनिक साजो सामान ✓ (कृषि यंत्रों के माध्यम से खेती की जाती है)
- अधिक पैदावार वाले बीज ✓ (प्रयोग)
- पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु

रोपण कृषि

- बीज के विपरीत पौधों से कृषि करना ✓
- बड़ी पूंजी और बहुत सारे कामगारों ✓
- जब किसी एक फसल को एक बड़े क्षेत्र ✓
- चाय, कॉफी, रवर, गन्ना, केला, आदि ✓

DSSSB TGT & PGT INDIAN ECONOMY

शस्य प्रारूप (CROPPING PATTERN)

❖ खरीफ

बोया = जून-जुलाई
काटा = अक्टूबर-नवम्बर

धान, अरहर, गन्ना, मूंग, कपास, मसूड, मूंगफली, मक्का, सूरजमुखी, बाजरा।

❖ जायद

मध्यवर्ती फसल = अप्रैल-मई, जून-जुलाई

खीरा, ककड़ी, तरबूज, खरबूज।

❖ रबी

बोया = अक्टूबर-नवम्बर
काटा = मार्च-अप्रैल

गेंहू, जौ, सरसों, चना, मटर

❖ रबी

- ❖ रवी की फसल जाड़े में उगायी जाती है
- ❖ इसलिये इसे जाड़े की फसल भी कहते हैं।
- ❖ रवी की बुआई अक्तूबर से दिसंबर की बीच होती है।
- ❖ इसकी कटाई अप्रैल से जून के बीच होती है।

- रवी की मुख्य फसलें हैं गेहूँ, मटर, चना और सरसों ।
- पंजाब, हरियाणा, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश
- रबी की फसल के मुख्य उत्पादक हैं।

खरीफ

- खरीफ की फसल गरमी में उगायी जाती है
- इसलिये इसे गरमी की फसल भी कहते हैं।
- खरीफ की बुआई जुलाई में होती है और कटाई सितंबर अक्तूबर में होती है।
- धान, मक्का, ज्वार, बाजरा, तुअर, मूंग, उड़द, मूंगफली और सोयाबीं ।

जायद:

- जायद का मौसम रवी और खरीफ के बीच आता है। इस में तरबूज, खरबूजा, खीरा, सब्जियाँ और चारे वाली फसलें उगाई जाती हैं। गन्ने को भी इसी मौसम में लगाया जाता है लेकिन उसे पूरी तरह से चढने में एक साल लग जाता है।

दालें

- भारत विश्व में दाल का सबसे बड़ा उत्पादक होने के साथ साथ सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है।
- दालों को सामन्यतया अन्य फसलों के आवर्तन में उगाया जाता है।
- इसका यह मतलब है कि हर दो फसल के बीच एक दाल की फसल उगाई जाती है।
- उत्तर प्रदेश. मध्य प्रदेश, राजस्थान और कर्नाटक दाल के मुख्य उत्पादक हैं।

गन्ना

- गन्ने की फसल के लिए गर्म और आर्द्र जलवायु की जरूरत होती है।
- 21°-27°C के बीच का तापमान और 75 cm से 100 cm की वर्षा की जरूरत होती है।
- गन्ने के उत्पादन में ब्राजील पहले नंबर पर है और भारत दूसरे नंबर पर ।

तिलहन

- भारत तिलहन का सबसे बड़ा उत्पादक है। खाने योग्य है।
- इसका खाना पकाने में प्रयोग किया जाता है
- मूंगफली, सरसों, नारियल, तिल. सोयाबीन, अरंडी, बिनौला, अलसी

मूंगफली

- भारत में पैदा होने वाले तिलहनों में मूंगफली का हिस्सा 50% है।
- मूंगफली एक खरीफ फसल है।
- आंध्र प्रदेश मूंगफली का सबसे बड़ा उत्पादक है।
- इसके बाद तमिल नाडु, कर्नाटक गुजरात और महाराष्ट्र का स्थान आता हैं।

चाय

- इसको उगाने के लिए गर्म जलवायु की आवश्यकता है
- इसके लिए गहरी मिट्टी और सुगम जल निकास वाले ढलुवा क्षेत्र जरूरत पड़ती है।
- चाय के उत्पादन में गहन श्रम की आवश्यकता होती है।
- असम, पश्चिम बंगाल, तमिल नाडु और केरल चाय के मुख्य उत्पादक

कॉफी

- चाय की तरह कॉफी को भी बागानों में उगाया जाता है।
- भारत में सबसे पहले यमन से अरेविका किस्म की कॉफी को उगाया गया था।
- शुरुआत में कॉफी को बाबा वूदन पहाड़ियों में उगाया गया था।
- भारतीय कॉफी की पूरे विश्व में मांग है

DSSSB TGT & PGT INDIAN ECONOMY

अखाद्य फसलें

रबर

जलवायु

- भूमध्यरेखीय क्षेत्र [रबर की फसल] के लिये सबसे उपयुक्त है।
- उष्ण और उपोष्ण क्षेत्रों में भी रबर की खेती होती है
- 200 सेमी से अधिक वर्षा होती हो और 25°C से अधिक तापमान
- केरल, तमिल नाडु, कर्णाटक, अंदमान निकोबार द्वीप समूह
- आर्द्र और नम जलवायु

कपास

- भारत कपास का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है
- दक्कन पठार के शुष्क भागों
- फसल को पकने में 6 से 8 महीने लगते हैं।
- उच्च तापमान, हल्की वर्षा, 210 पाला रहित दिन और तेज धूप
- महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्णाटक, आंध्र प्रदेश, तमिल नाडु, हरियाणा और उत्तर प्रदेश

काली/रेगुर मिट्टी

जूटः जूट के लिए अच्छी जल निकासी वाली बाढ़ के मैदानों की उपजाऊ मिट्टी की जरूरत होती है। जूट के मुख्य उत्पादक हैं पश्चिम बंगाल, बिहार, असम, उड़ीसा और मेघालय |

तकनीकी और संस्थागत सुधार

- सरकार द्वारा प्रथम पंचवर्षीय योजना का मुख्य फोकस 'भूमि सुधार' था ।
- भारत सरकार ने कृषि में सुधार के लिए 1960 और 1970 के दशक में कृषि सुधारों की शुरुआत की।
- हरित क्रांति और श्वेत क्रांति (ऑपरेशन फ्लड) भारतीय कृषि में सुधार के लिए अपनाई गई कुछ रणनीतियाँ

- सूखा, बाढ़, चक्रवात, आग और बीमारी के खिलाफ फसल बीमा का प्रावधान, ग्रामीण बैंकों की स्थापना, सहकारी समितियों और किसानों को कम व्याज दर पर ऋण सुविधा प्रदान करने के लिए बैंकों जैसे महत्वपूर्ण कदम।

- किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना (पीएआईएस) भारत सरकार द्वारा किसानों के लाभ के लिए शुरू की गई कुछ अन्य योजनाएं हैं।